

त्राशदधिकशततमोऽध्यायः ॥ १५१ ॥  
॥ ७३ ॥  
॥ ७३ ॥  
नतइति ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥